



Shreya Agarwal

25 Feb 2009

08:06 PM

Agara

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121595001

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 25/02/2009
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 20:06:00 घंटे
इष्ट _____: 33:41:46 घटी
स्थान _____: Agara
राज्य _____: Karnataka
देश _____: India

अक्षांश _____: 13:03:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:46:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:18:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 19:47:04 घंटे
वेलान्तर _____: -00:13:04 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:09:25 घंटे
सूर्योदय _____: 06:37:17 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:26:50 घंटे
दिनमान _____: 11:49:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 13:08:24 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 08:20:43 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: शतभिषा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: सिद्ध
करण _____: बव
गण _____: राक्षस
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1930	फाल्गुन	6
पंजाबी	संवत : 2065	फाल्गुन	14
बंगाली	सन् : 1415	फाल्गुन	13
तमिल	संवत : 2065	मासी	13
केरल	कोल्लम : 1184	कुंभम	13
नेपाली	संवत : 2065	फाल्गुन	14
चैत्रादि	संवत : 2065	फाल्गुन	कृष्ण 15
कार्तिकादि	संवत : 2065	माघ	कृष्ण 15

पंचांग

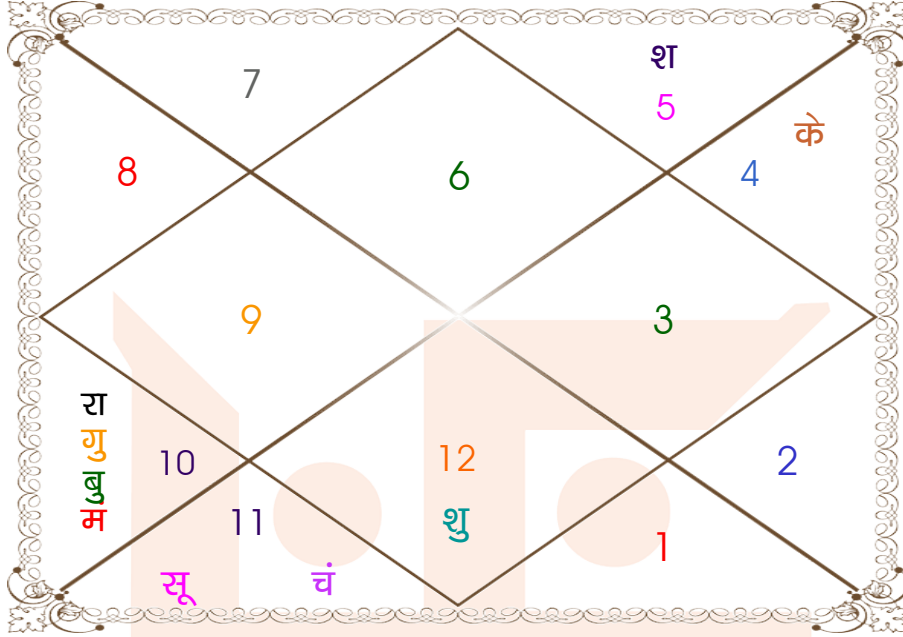
सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 15
तिथि समाप्ति काल _____ : 07:05:04
जन्म तिथि _____ : 1
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : शतभिषा
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 21:06:07 घंटे
जन्म योग _____ : शतभिषा
सूर्योदय कालीन योग _____ : शिव
योग समाप्ति काल _____ : 09:41:12 घंटे
जन्म योग _____ : सिद्ध
सूर्योदय कालीन करण _____ : नाग
करण समाप्ति काल _____ : 07:05:04 घंटे
जन्म करण _____ : बव
भयात _____ : 60:52:11
भभोग _____ : 63:22:28
भोग्य दशा काल _____ : राहु 0 वर्ष 8 मा 18 दि

घात चक्र

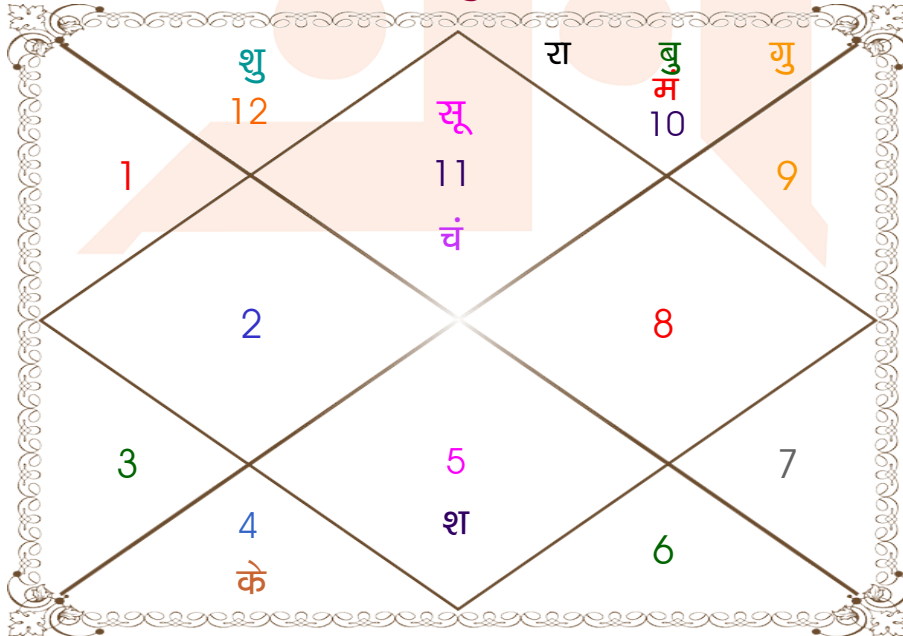
मास _____ : चैत्र
तिथि _____ : 3-8-13
दिन _____ : गुरुवार
नक्षत्र _____ : आर्द्रा
योग _____ : गण्ड
करण _____ : किंस्तुघ्न
प्रहर _____ : 3
वर्ग _____ : श्वान
लग्न _____ : मिथुन
सूर्य _____ : वृष
चन्द्र _____ : धनु
मंगल _____ : मिथुन
बुध _____ : वृष
गुरु _____ : कर्क
शुक्र _____ : सिंह
शनि _____ : मेष
राहु _____ : कन्या

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

शु			
वं सू			के
रा बु म गु			श
			ल

लग्न कुण्डली

		शु	वं सू
	के		बु म गु
श			
	ल		

विंशोत्तरी
राहु 0वर्ष 8मा 18दि
राहु
25/02/2009
16/11/2111

राहु	15/11/2009
गुरु	15/11/2025
शनि	14/11/2044
बुध	15/11/2061
केतु	14/11/2068
शुक्र	14/11/2088
सूर्य	15/11/2094
चन्द्र	15/11/2104
मंगल	16/11/2111

योगिनी
धान्या 0वर्ष 1मा 13दि
सिद्धा
10/04/2024
11/04/2031

सिद्धा	20/08/2025
संकटा	11/03/2027
मंगला	21/05/2027
पिंगला	10/10/2027
धान्या	10/05/2028
भामरी	18/02/2029
भद्रिका	08/02/2030
उल्का	11/04/2031

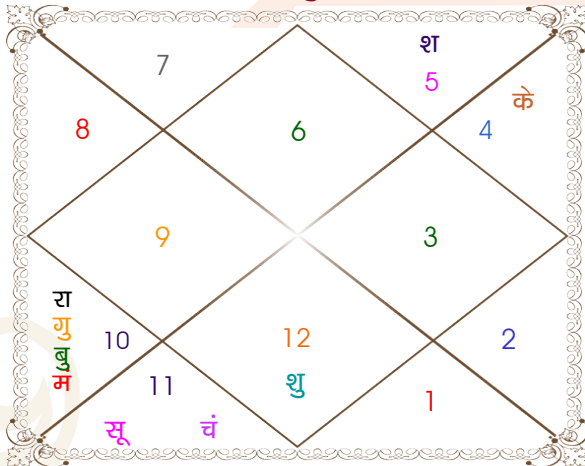
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कन्या	08:20:43	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कुम्भ	13:08:24	शत्रु राशि	--	हाँ	--	मन्दा
चन्द्र	कुम्भ	19:28:05	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	मकर	22:17:53	उच्च राशि	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	मकर	19:25:10	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	मकर	17:55:36	नीच राशि	--	हाँ	--	मन्दा
शुक्र	मीन	19:52:18	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	व सिंह	25:16:33	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	व मकर	15:10:00	मित्र राशि	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	व कर्क	15:10:00	मित्र राशि	--	--	--	नेक

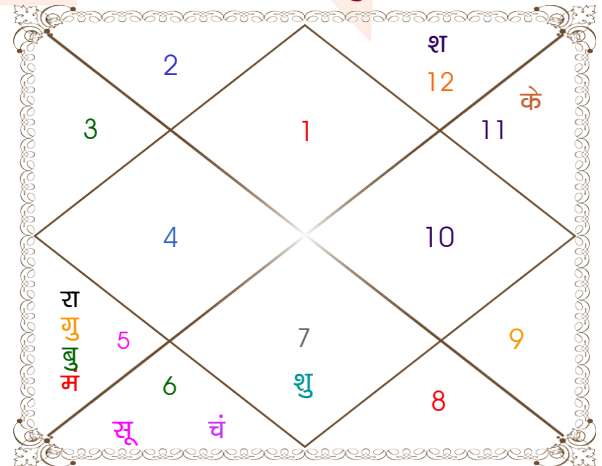
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



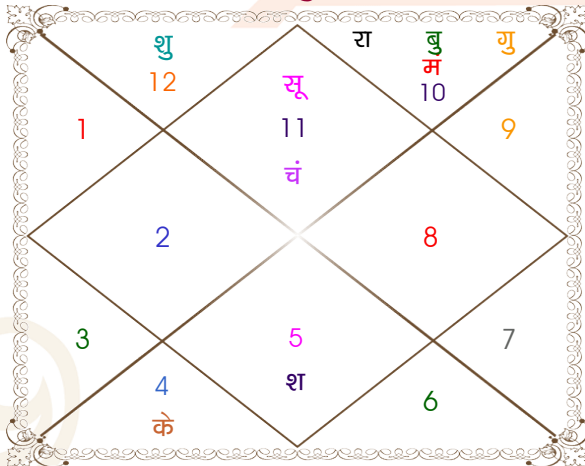
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

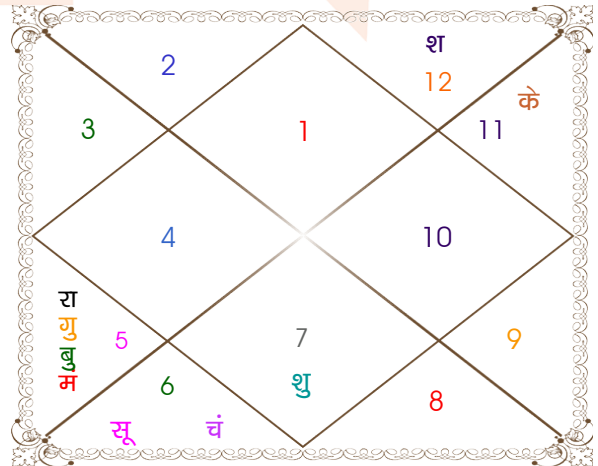
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	आग से जला, धन से बेफिक्र ।	राशि
चंद्र	धोखे की माता तथा खारा कड़वा पानी ।	--
मंगल	रईसों का बाप दादा ।	--
बुध	फकीर की आवाज या आर्शीवाद ।	--
गुरु	ब्रह्मज्ञानी मगर आग का बांस	ग्रह
शुक्र	जैसा यह वैसी वह पावे साथी का प्रभाव, अकेला नेक ।	ग्रह
शनि	कलम विधाता, आराम ।	--
राहु	शरारती, संतान गर्क मगर सूर्य को तारे ।	--
केतु	गीदड़ स्वभाव कुत्ता ।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 25/02/2009 26/02/2015	राहु 6 वर्ष 26/02/2015 25/02/2021	केतु 3 वर्ष 25/02/2021 26/02/2024	गुरु 6 वर्ष 26/02/2024 26/02/2030	सूर्य 2 वर्ष 26/02/2030 26/02/2032
राहु 26/02/2011 बुध 25/02/2013 शनि 26/02/2015	मंगल 25/02/2017 केतु 26/02/2019 राहु 25/02/2021	शनि 26/02/2022 राहु 26/02/2023 केतु 26/02/2024	केतु 26/02/2026 गुरु 26/02/2028 सूर्य 26/02/2030	सूर्य 27/10/2030 चंद्र 28/06/2031 मंगल 26/02/2032
चंद्र 1 वर्ष 26/02/2032 25/02/2033	शुक्र 3 वर्ष 25/02/2033 26/02/2036	मंगल 6 वर्ष 26/02/2036 26/02/2042	बुध 2 वर्ष 26/02/2042 26/02/2044	शनि 6 वर्ष 26/02/2044 26/02/2050
गुरु 27/06/2032 सूर्य 27/10/2032 चंद्र 25/02/2033	मंगल 26/02/2034 शुक्र 26/02/2035 बुध 26/02/2036	मंगल 26/02/2038 शनि 26/02/2040 शुक्र 26/02/2042	चंद्र 27/10/2042 मंगल 28/06/2043 गुरु 26/02/2044	राहु 26/02/2046 बुध 26/02/2048 शनि 26/02/2050
राहु 6 वर्ष 26/02/2050 26/02/2056	केतु 3 वर्ष 26/02/2056 26/02/2059	गुरु 6 वर्ष 26/02/2059 25/02/2065	सूर्य 2 वर्ष 25/02/2065 26/02/2067	चंद्र 1 वर्ष 26/02/2067 26/02/2068
मंगल 26/02/2052 केतु 26/02/2054 राहु 26/02/2056	शनि 25/02/2057 राहु 26/02/2058 केतु 26/02/2059	केतु 25/02/2061 गुरु 26/02/2063 सूर्य 25/02/2065	सूर्य 27/10/2065 चंद्र 27/06/2066 मंगल 26/02/2067	गुरु 28/06/2067 सूर्य 27/10/2067 चंद्र 26/02/2068
शुक्र 3 वर्ष 26/02/2068 26/02/2071	मंगल 6 वर्ष 26/02/2071 25/02/2077	बुध 2 वर्ष 25/02/2077 26/02/2079	शनि 6 वर्ष 26/02/2079 25/02/2085	राहु 6 वर्ष 25/02/2085 26/02/2091
मंगल 25/02/2069 शुक्र 26/02/2070 बुध 26/02/2071	मंगल 25/02/2073 शनि 26/02/2075 शुक्र 25/02/2077	चंद्र 27/10/2077 मंगल 27/06/2078 गुरु 26/02/2079	राहु 25/02/2081 बुध 26/02/2083 शनि 25/02/2085	मंगल 26/02/2087 केतु 25/02/2089 राहु 26/02/2091
केतु 3 वर्ष 26/02/2091 26/02/2094	गुरु 6 वर्ष 26/02/2094 26/02/2100	सूर्य 2 वर्ष 26/02/2100 27/02/2102	चंद्र 1 वर्ष 27/02/2102 27/02/2103	शुक्र 3 वर्ष 27/02/2103 27/02/2106
शनि 26/02/2092 राहु 25/02/2093 केतु 26/02/2094	केतु 26/02/2096 गुरु 26/02/2098 सूर्य 26/02/2100	सूर्य 28/10/2100 चंद्र 28/06/2101 मंगल 27/02/2102	गुरु 28/06/2102 सूर्य 28/10/2102 चंद्र 27/02/2103	मंगल 27/02/2104 शुक्र 26/02/2105 बुध 27/02/2106
मंगल 6 वर्ष 27/02/2106 27/02/2112	बुध 2 वर्ष 27/02/2112 27/02/2114	बुध 2 वर्ष 27/02/2112 27/02/2114	बुध 2 वर्ष 27/02/2112 27/02/2114	बुध 2 वर्ष 27/02/2112 27/02/2114
मंगल 27/02/2108 शनि 27/02/2110 शुक्र 27/02/2112	चंद्र 28/10/2112 मंगल 28/06/2113 गुरु 27/02/2114	चंद्र 28/10/2112 मंगल 28/06/2113 गुरु 27/02/2114	चंद्र 28/10/2112 मंगल 28/06/2113 गुरु 27/02/2114	चंद्र 28/10/2112 मंगल 28/06/2113 गुरु 27/02/2114

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है। सबसे बराबर-बराबर पीली कौड़ियां लेकर उसी दिन एक जगह इकट्ठी करके जला कर उनकी राख उसी समय जल में प्रवाहित कर देना।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या

तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य, बेटे-बुआ आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर 100 कुत्तों को एक ही दिन में खिलाना।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपको ननिहाल से सुख मिलेगा और मुकद्दमें में जीत होगी। मित्र और शत्रु आप से दब कर रहेंगे। आप अपने भाग्य से संतुष्ट रहेंगे। आप अपने भाग्य पर भरोसा रखेंगे, बेफिक्र रहेंगे। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा। शारीरिक सुख अच्छा रहेगा। पुत्र जन्म के बाद अगर बुरा समय हो तो अच्छा समय आएगा अर्थात् लड़के की पैदाइश के बाद आपका जीवन स्थिर हो जाएगा और आपका भाग्योदय होगा। पिता का रुतबा और बढ़ेगा। पत्नी एवं संतान का सुख मिलेगा। आप अधिक पुत्रवान होंगे। दूसरी औरत के साथ संबंध रहेगा ऐसी संभावना है। आपके चरित्र पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आप अपना काम बदल सकते हैं और उस बदले हुए काम से अच्छा फल मिलेगा। बुढ़ापे में रात का आराम, पूजा-पाठ, दान-पुण्य का शुभ असर मिलेगा। डाक्टर/कैमिस्ट के काम से लाभ होगा।

यदि आपने बहन से धन की ठगी की, सरकारी अधिकारियों से धोखा किया और मुकद्दमेबाजी में अपना ध्यान रखा, हर समय दूसरों की तरफ मांगने की नीयत रखी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर, कोर्ट में मुकद्दमों पर अधिक खर्च होगा। पांव में खराबी हो सकती है। पापी ग्रहों के संयोग से बुरा समय आरंभ होगा। जीवन में एक बार पतन होना संभव है। मामा का हाल खराब रहेगा। गुस्सा अधिक आएगा या रक्तचाप का रोग होगा। आपके नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली हो सकती है। सूर्य का मंदा समय 21-22 साल की उम्र में होगा, स्त्री पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आप अपने बाप या बेटे के साथ एक शहर या गांव में रह कर धन नहीं कमा सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन से झगड़ा न करें।
2. समय कैसा भी रहे दान या कर्ज न मांगें।

उपाय :

1. चांदी या दरिया का पानी घर में कायम करें।
2. बंदर को गेहूं-गुड़ खिलायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से कन्या संतान अधिक होंगी। आप योजना बनाने में कुशल और बुद्धिमान होंगे। मुकद्दमे में आपको सफलता मिलेगी। मामा पक्ष के लोगों से सहयोग और लाभ की संभावना है। जैसी करनी वैसी भरनी की

नसीहत को आप हर दम याद रखेंगे। आपकी बुआ-बहन-लड़की सुखी रहेगी। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है, आप तड़पते हुए व्यक्ति के मुंह में पानी डालने वाले सबके हमदर्द होंगे। आपको गरीबी का मुंह नहीं देखना पड़ेगा। आप किसी गंभीर रोग के रोगी नहीं होंगे।

यदि आपने बहन-बेटी का धन प्रयोग किया, अपना भेद किसी को बताया, सूर्यास्त के बाद दूध पिया, छबील या प्याऊ लगाया या आम लोगों के लिए धर्मार्थ कुआं, हैंड पंप लगाया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपको माता के सुख में कमी आ सकती है या सौतेली मां के साथ बचपन बिताना पड़ सकता है। 24 वर्ष की आयु में यदि आम जनता के लिए कुआं या पानी का साधन लगवायेंगे तो उसका बुरा असर माता और संतान पर पड़ेगा। आपकी स्त्री की आंख में कुछ खराबी होने की संभावना है। आपके ससुराल पक्ष के लोगों का नुकसान होने की उम्मीद है। शत्रु आप से भय खाएंगे। कोर्ट-कचहरी का झमेला आपको झेलना पड़ सकता है। आपको कभी-कभी गंभीर चिंता करनी पड़ सकती है। आप जब कभी बिना सोचे-समझे काम करेंगे तो सामने परेशानी आ सकती है। माता को कष्ट रहेगा, मौत तक भारी समय आयेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 24 वर्ष की आयु में मुफ्त पानी दान का साधन कायम न करें।
2. किसी को अपना भेद न बताएं।
3. सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

उपाय :

1. शमशान-अस्पताल में पानी का साधन कायम करना शुभ है।
2. माता को कष्ट के समय खरगोश पालें।
3. चन्द्र ग्रहण में 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल पांचवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप शांत स्वभाव के हैं। आपको अपने जन्मस्थान से दूर निवास करना पड़ सकता है आप बहुत यात्रा करेंगे। आपको धन-संपदा मिलेगी। पत्नी एवं संतान सुख प्राप्त होगा। आपकी औलाद अच्छी और सुखी रहेगी। आपका बेटा तथा पोता भी धनवान होगा। आप धनवान संतान के पिता होंगे। आपकी उम्र ज्यों-ज्यों बढ़ेगी आप अमीर होते चले जाएंगे। आप या आपके खानदान में कोई हकीम या डॉक्टर हो सकता है। आपके बुजुर्गों की माली हालत अच्छी होगी। प्रत्येक वर्ष जन्मदिन के बाद से उन्नति और तरक्की होती चली जाएगी। आप अपने भाई या बाप-दादे की हैसियत से ऊंचे दर्जे के व्यक्ति होंगे। आपकी पुत्र प्राप्ति के बाद भाग्योन्नति होगी। आपके भाग्य के संबंध में अच्छा असर होने की उम्मीद है।

यदि आपका चाल-चलन खराब हुआ, आपने परिवार के लोगों से बिना कारण

दुश्मनी रखी, सट्टा-जुआ आदि खेला, संतान या पत्नी से झगड़ा किया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपकी विद्या अधूरी, पेट में खराबी, कानों की तकलीफ, घुटने या पैरों में किसी प्रकार का कष्ट या जोड़ों का दर्द हो सकता है। संतान प्राप्ति या संतान सुख में बाधा की आशंका है। स्त्री को अठराह की बीमारी जो संतानोत्पत्ति में विघ्न कारक होती है, हो सकती है। सट्टा-जुआ आदि में हानि का योग है। पुत्र से क्लेश, परिवार में किसी को दमा या मिरगी का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. शराब-बीयर न पियें, मछली न खायें।

उपाय :

1. घर में नीम का पेड़ जमीन या गमले में लगावें।
2. रात को लोटे में पानी भरकर सिरहाने रख कर सुबह किसी पौधे या बाग-बगीचे में डालें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध पांचवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपकी ज्योतिष विद्या तथा आयुर्वेद शास्त्र में रुचि रहेगी। आपका वाक्य ब्रह्मा जी के मुंह से निकली बात के समान होगा। आपको अपने भाई से सुख मिलेगा और लाभ होता रहेगा। आपको जीवन में औलाद सुख मिलेगा। आप बिना सोचे-समझे भी कुछ बात कह दें, तो वह सच हो जाएगा। आपका चरित्र अच्छा होगा। आपकी जद्दी जायदाद, गृहस्थी और औलाद पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। 34 वर्ष की उम्र के बाद आपका भाग्य पूरी बुलंदी पर आ जाएगा। आप पूर्ण ज्ञानी और तेजस्वी प्रभाव के व्यक्ति होंगे। आपके सगे संबंधियों या किसी भी व्यक्ति पर आपका अच्छा असर रहेगा। आप अच्छे प्रबंधकर्ता हैं। अकस्मात् धन की प्राप्ति के भी योग है। आपको अपने जीवन में बहुत अच्छे दिन देखने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको पराविद्या, तंत्र-मंत्र पर पूर्ण भरोसा रहेगा। धर्म, आध्यात्म और ईश्वर भक्ति के प्रति आपकी रुचि अच्छी रहेगी। आपकी बुद्धि तेज है। आपको बुद्धि के खजाने और विद्या का पूर्ण लाभ मिलेगा।

यदि आपने संतान का विरोध किया सरकारी अधिकारियों से झगड़ा किया, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, आपके घर में बांस का वृक्ष हुआ तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आप कभी-कभी बहुत कड़की बातें करने लगेंगे। इस बात का परहेज रखें। संतान पर कष्ट के दिनों में आप अधिक ही चिंतित हो जाया करेंगे। आप कल्पना लोक में भ्रमण करेंगे या काल्पनिक डर से भयभीत रहेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. गऊ मुख घर में रिहाइश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ में पहनें।
2. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।

गुरु

आपकी कुंडली के पांचवें खाने में वृहस्पति पड़ा है। इसकी वजह से आपकी संतान की वृद्धि होगी। आपकी आयु वृद्धि के साथ-साथ उन्नति होगी। 16 वर्ष की आयु में भाग्योदय होने की संभावना है। संतान पक्ष से सुखी रहेंगे। आपको साठ वर्ष की उम्र तक श्रेष्ठ फल मिलेगा। संतान पैदा होने के बाद पिता-दादा से सहायता नहीं मिलेगी। भाग्य का सितारा बुलंद होगा। आप इन्सानी सितारों के मालिक होंगे। आप इज्जत और आबरू के मालिक होंगे और ब्रह्मज्ञानी होंगे। आपके, वीरवार को जन्मे लड़के के जन्मदिन से आपका भाग्य शुभफल देने लग जाएगा उस समय आप जीवन में उन्नति करना आरंभ कर देंगे। आप व्यापार या अपनी कलम की ताकत से धन कमाएंगे। दूसरों की सहायता भी करेंगे। आपकी औलाद और धन में बहुत बरकत होगी। आप खुशहाल रहेंगे। आप हुक्मरान या सामाजिक दायरे में सरदार माने जाएंगे।

यदि आप धर्म के विरुद्ध विचार रखेंगे, लंगर या धर्म के नाम पर दान का माल खाना शुरु किया, साधू-महात्मा से झगड़ा या गाली-गलौज किया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आप क्रोध अधिक करेंगे। पत्नी के अतिरिक्त दूसरी औरत से संबंध रखना हानिकारक होगा। बर्बादी का कारण बनेगा। अफसरों से दुश्मनी से मुफ्त का माल खाने से आपका नुकसान हो ऐसी शंका है। आपका मांसाहारी होना बहुत हानिकारक होगा। आपका आलसी होना बहुत खराब है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नाव से संबंध न रखें।
2. नास्तिक न बनें।

उपाय :

1. साधू-महात्मा की सेवा करें।
2. धर्मशाला या धर्म मंदिर की सफाई करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से यह खुलासा हो रहा है कि आपकी माता और पत्नी में मां-बेटी जैसा प्यार रहेगा। आपके घर में माया का

अच्छा प्रभाव रहेगा। लक्ष्मी की बरकत कभी भी कम नहीं होगी। आपकी पच्चीस वर्ष की उम्र तक ही परेशानी रहेगी। इसके बाद समय जीवन भर सुख पूर्ण रहेगा। आपके कमाए हुए धन से स्त्री पक्ष को लाभ होगा। आप विवाह में उपयोगी चीजों का कार्य, जैसे टैंट हाउस, ब्यूटी पार्लर, रेडिमेड गारमेंट्स चलाएं तो अच्छा लाभ होगा। आपको कृषि योग्य जमीन भी मिलेगी। आपको अच्छा भवन एवं वाहन सुख मिलेगा। काली स्त्री से लाभ होगा। 37 वर्ष की आयु तक स्त्री सुख खूब मिलेगा। आपको जदी घर से दूर समुद्र की यात्रा द्वारा कमाई होगी। आपके अपने जन्म स्थान के शहर/गांव में लाभ नहीं मिलेगा। आप संसार में कहीं भी रहें मरने के समय जदी घर पर वापस आ जाएंगे।

यदि आपकी पत्नी का रंग गोरा हुआ, साले के साथ साझेदारी की, चाल-चलन खराब रखा तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपके काम धंधे में भाई-बंधु, यार-दोस्त आपकी संपत्ति को लूटते रहेंगे। आपके कारोबार में यही लोग रुकावट डालेंगे। ससुराल वालों को कारोबार में साथ न रखें। वैवाहिक संबंध में तथा संतानोत्पत्ति में गड़बड़ी रह सकती है। चमड़े के पर्स में रुपये-पैसे न रखें। आपकी पत्नी और आपकी माता की नहीं बनेगी या वह ग्रहचाल के कारण इकट्ठी नहीं रह पायेंगी। परस्त्री से इश्क के बुरे असर होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

उपाय :

1. बिल्ली की जेर कंबल के टुकड़े में रख कर अपने पास रखें।
2. कांसे का बर्तन दहेज में जरूर लेवें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के बारहवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आप पैसे की परवाह नहीं करेंगे और बेबाक खर्च करेंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। आप असहायों को सहाय देंगे और उजड़ों को बसाएंगे। आपका कोई शत्रु नहीं होगा। आप धनवान और सुखी होंगे। आपकी जो भी इच्छा होगी देर-सबेर पूरी होगी। आपके पास विभिन्न प्रकार की जायदाद होगी। आपका जीवन आराम से बीतेगा। आपका परिवार खानदानी होगा। आपकी कमाई में बरकत होगी। आप अपने पिछले जन्म की इच्छाओं के अनुरूप कोई बड़ा कार्य संपन्न करेंगे। आप में साधना करने की कला विद्यमान हैं। आप मुखिया या नेता हों या ऐसा सम्मान प्राप्त हो यह संभावना है। आपकी आमदनी और सुख के लिए शुभकारक है। आपमें जरूरत से ज्यादा होशियारी रहेगी। आपको रात्रि में पूरा आराम और सुख प्राप्त होगा।

यदि आपने प्लॉट खरीद कर मकान बनाया, मकान के अंत में अंधेरा कमरा हो

उसको रोशनी में बदला, झूठ को धर्म बनाया, दूसरे के माल पर नजर रखी तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से झूठ बोलना या शराब आदि का चस्का लग जाना बहुत हानिकारक हो सकता है। आप गुप्त रूप से कुछ धोखा-फरेब करने के आदी हो जाएंगे। आप झूठ बोलने वाले, चरित्रहीन स्त्रियों से संबंध रखने वाले या शराब आदि का सेवन कर, अशुभ फल के भागी बनेंगे। जुबान का चस्का भी आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आंखों की नजर संबंधी दोष हो सकता है। एक से अधिक विवाह की आशंका है। आप कभी-कभी बहुत ज्यादा गुस्सा कर बैठते हैं जो बड़ा नुकसानदेह है। आप अपनी पत्नी के गुलाम होंगे। हर वक्त आप चालाकी करते रहेंगे। संतान सुख में विघ्न या संतान देरी से होगी। आप पर कत्ल या दीवानी का मुकद्दमा चल सकता है। पुलिस/कोर्ट में जुर्माना या दण्ड का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

उपाय :

1. तांबे के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. तख्त पोश पर शयन करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में राहु पड़ा है। आपकी 21 वर्ष आयु में प्रथम पुत्र और 42 वर्ष आयु में दूसरा पुत्र पैदा होगा। आपको पुत्रों का सुख मिलेगा, उम्मीद है। औलाद मूर्ख और आप ब्रह्मज्ञानी होंगे। आपकी औलाद से अधिक सुखी जीवन आपके पोते-पड़पोते का होगा। आप चंचल और अस्थिर बुद्धि के होंगे। आपकी माता का संपूर्ण जीवन बड़ा सुखमय समय रहेगा। धन-संपत्ति और औलाद में वृद्धि होगी। आपको भाई का सुख मिलेगा। आप परिवार और माया की ओर से सुखिया होंगे। धर्म-मर्यादा के मालिक होंगे। व्यापार आपके लिये सब उत्तम धन कमाने का साधन होगा, राज्याधिकारियों से लाभ होगा।

यदि आपने पत्नी से अच्छे संबंध न रखे, उससे तलाक लिया, बुजुर्गी मकान की दहलीज खराब कर ली, पिता या ससुर से झगड़ा किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप बचपन में शरारती होकर पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगाएंगे। शिक्षा अधूरी रह जाएगी या मन के मुताबिक पढ़ाई नहीं कर सकेंगे। संतान जन्म से 12 वर्ष पत्नी का स्वास्थ्य खराब रहेगा। पहली संतान नहीं बचे ऐसी शंका बनती है। पत्नी से तलाक या जुदाई हो, ऐसी शंका है। पत्नी से तलाक/जुदाई की तो संतान का सुख न मिलेगा। आप पाप कर्म में रत हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख न मिले। आपकी सेहत बिगड़ सकती है तथा बेकार का धन खर्च होगा। आपकी आंखों की दृष्टि में भी

कोई दोष उत्पन्न हो सकता है। आपके काम करने का ढंग भी स्थिर नहीं रहेगा। काम की चीजों को भी इधर से उधर करते रहेंगे। अस्थायित्व और चंचलता के आप शिकार होंगे। आपका बड़ा भाई अमीर या निःसंतान होगा, ऐसी आशंका है। समय साढ़े दस, 21-42वां वर्ष पिता या ससुर की आयु पर भारी रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूसरा विवाह न करें।

उपाय :

1. चांदी का ठोस हाथी घर पर रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।

नोट : यदि दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले मकान में रिहाईश हो तो भी उपरोक्त उपाय जरूर करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन-दौलत के मालिक होंगे। इसके श्रेष्ठ फल से आप निहाल हो जाएंगे। आपको अपने भविष्य के लिए जागरूक रहना चाहिए। आपको राजपक्ष से शासन से संबंधित कार्यों में अच्छा फल मिलेगा। खानदानी जायदाद से अधिक जायदाद अपने हाथों से बना लेंगे। आपके जीवन में उत्तम राजयोग की संभावना है। आप सरकार पक्ष से या सम्मानित व्यक्ति से लाभ प्राप्त करेंगे। आप यदा-कदा हिम्मत हार बैठेंगे। आपकी औलाद शारीरिक तौर पर अच्छे स्वभाव की और अच्छे काम करने वाली होगी।

यदि आपको काम पर जाते समय कोई पीछे से कोई आवाज दे, माता से झगड़ा या माता का विरोध किया, पुत्र संतान का लालन-पालन अच्छी प्रकार न किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से संतान पक्ष को कुछ कष्ट की आशंका है। मां के साथ आपके मधुर संबंध में न्यूनता की आशंका है या माता को आपकी संतान से सुख नहीं मिलेगा। आपको हमेशा ही पेट में दर्द की बीमारी लगी रह सकती है। आपके पुत्रोत्पत्ति के पश्चात् माता के सुख का अभाव हो जाएगा। माता की आंखों का आप्रेशन हो सकता है। बल्कि कुछ सुस्त या नामर्दी भी महसूस करेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय पीछे से कोई आवाज दे तो शुभ काम पर न जाएं।

2. व्यतीत समय को याद न करें।

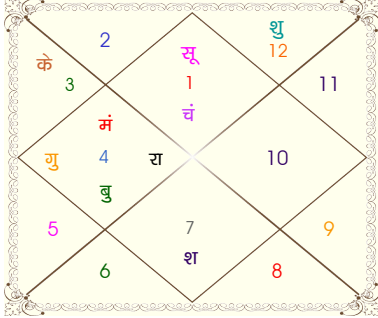
उपाय :

1. काला कुत्ता न पालें।
2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें।

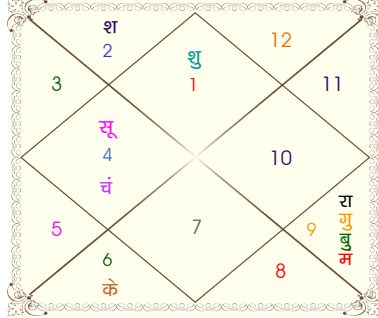


लाल किताब - वर्ष कुंडली

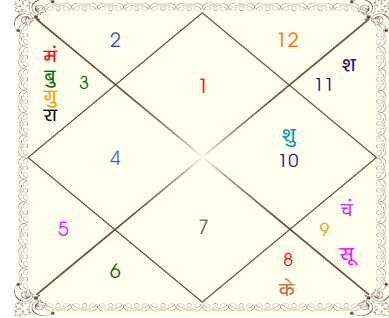
2026



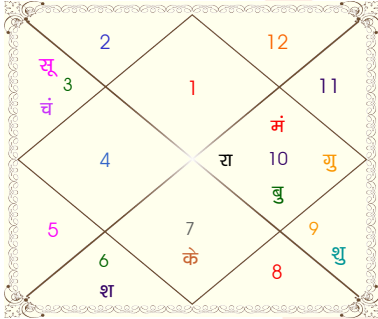
2027



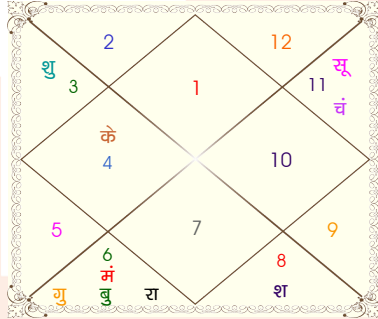
2028



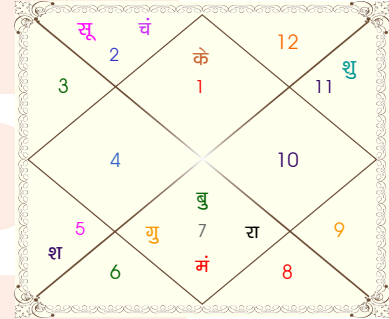
2029



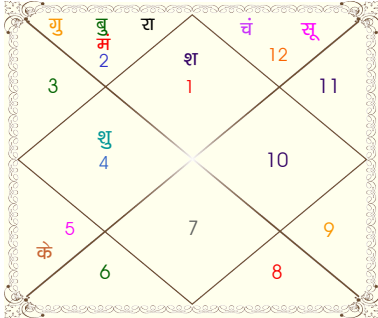
2030



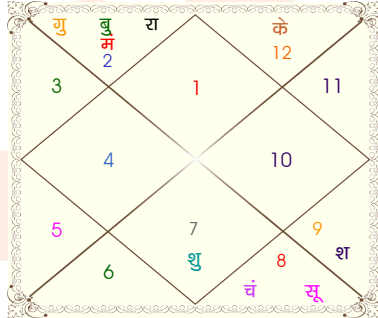
2031



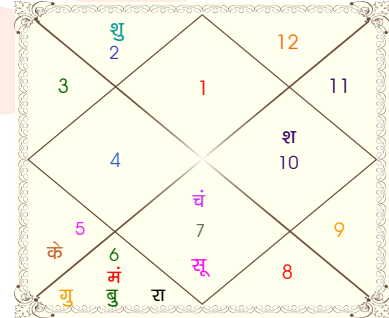
2032



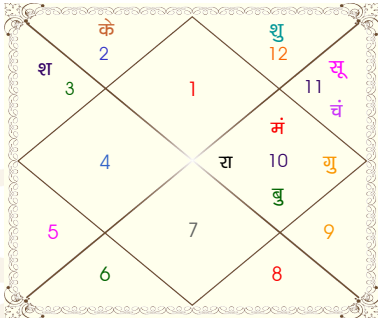
2033



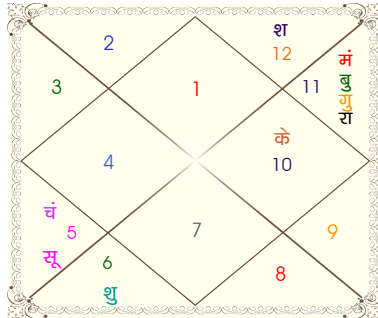
2034



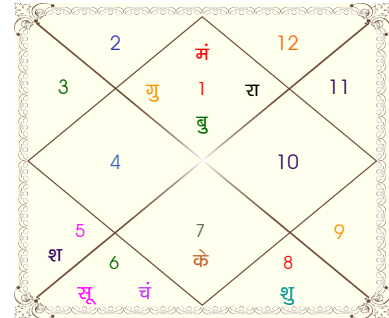
2035



2036



2037



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

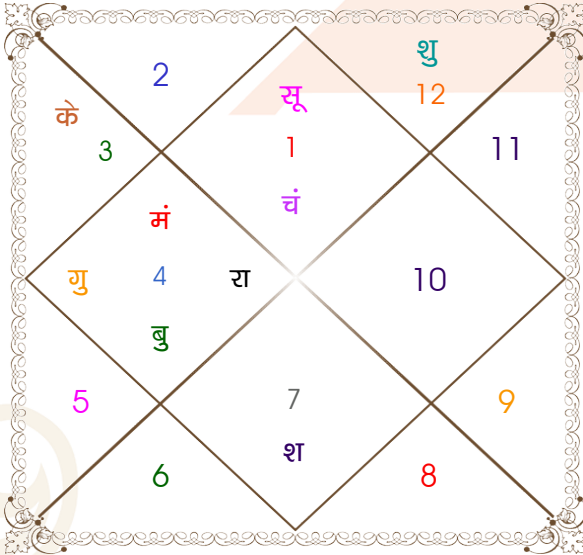
वर्तमान आयु - 18
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	हाँ	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

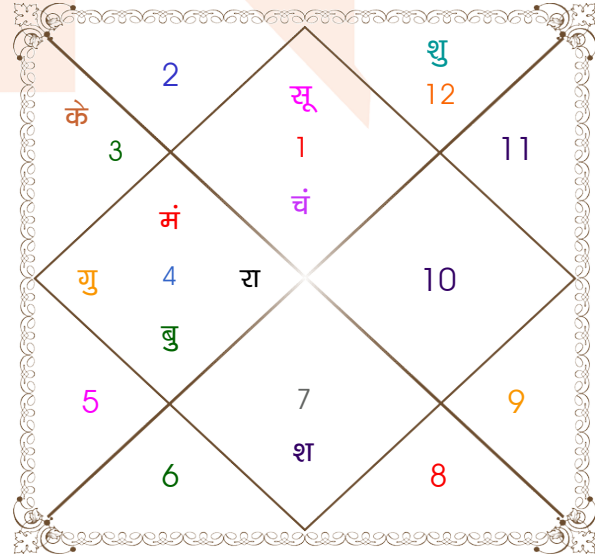
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मकान में अंधेरा कमरा है तो उसे रोशनी में बदलने से, माया का सांप, दौलत का हाथी आपके घर से चला जाएगा अर्थात् धन की कमी या हानि होगी, हड्डी संबंधित चोट/रोग का भय, दिल की धड़कन बढ़ जाना, रक्त चाप घट या बढ़ जाये, ऐसी आशंका है, मान-सम्मान की हानि भी हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पानी में चीनी डाल कर सूर्य का अर्घ्य दें।
2. बन्दरों को गुड़/केला खिलायें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने का शौक रहेगा, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी नानी/माता/सास या पत्नी का स्वास्थ्य खराब, विवाह/गृहस्थ जीवन में परेशानी की संभावना है। चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध कारोबार में परेशानी पैदा करेंगे। पुत्र-पुत्री का सुख नहीं मिलेगा, सुख में बाधा के संकेत हैं। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। परिवार में किसी माता-दादी-नानी-सास, पत्नी स्त्री का बड़ा आप्रेशन भी हो सकता है।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. हाथी दांत कायम करें।
2. सुबह उठते ही दांत पानी से साफ करें।

3. माता या माता समान स्त्री या बंदर या साधू की सेवा करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन मिलेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी, बुआ-साली से भी लाभ हो सकता है। माता से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, बुआ-साली से झगड़ा न करें।
2. विधवा स्त्री से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से इस वर्ष शराब-बीयर पीने से विद्या या विद्या सम्बन्धी कामों में परेशानी हो सकती है। चाल-चलन खराब या दूसरा विवाह आपको संतान सुख न देगा। आपको जमीन-जायदाद की चिंता रहेगी। पिता-दादा से दूरी हो सकती है। माता से जुदाई या माता पर कष्ट आ सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. धर्म मन्दिर में हर रोज सिर झुकाएं।
2. कुल पुरोहित का धन वस्त्र आदि देकर आर्शीवाद लें। अगर कुल पुरोहित न हो तो महीने दो-महीने बाद 4 किलो चने की दाल धर्म स्थान में देते रहें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष चाल-चलन ठीक रखें, यदि अनैतिक संबंध रखे तो इसका बुरा असर आपकी पत्नी पर पड़ेगा। पत्नी की सेहत खराब होगी या पत्नी से अच्छे संबंध न रहेंगे। पत्नी से अच्छे संबंध बनाने की कोशिश करें वरना संतान की चिंता और धन हानि हो सकती है। धर्म-कर्म में भी मन नहीं लगेगा, रात्रि की नींद भी खराब होगी।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बछड़े वाली गाय दान करें।
2. देसी घी का दीया जलावें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और बुजुर्गों से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पत्नी के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गों मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनों तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता समान स्त्री से अवैध संबंध रखना हानिकारक है या खराब चाल-चलन आपके धन को नष्ट कर देंगे। मकान में लैट्रिन की जगह बदली तो कोर्ट केस का भय होगा। आप दिन में भी ख्वाब देखें मगर वह ख्वाब लाभ न देकर अवनति करायेंगे। दिमाग सोया सा रहेगा या बुद्धि कोई काम न करेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया (मसाला) जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष दूसरों की सलाह लेना आपके लिये हानिकारक है। आवारा घूमना या भाई से दूर प्रदेश में जीवन व्यतीत करना ठीक नहीं, शरीर पर फोड़े-फुंसी की शिकायत भी हो सकती है। किसी के किये पेशाब पर पेशाब करना आप को गुप्तांग में रोग और शरीर कष्ट देगा या संतान सुख की चिंता रहे ऐसा भी संभव है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कानों में शुद्ध सोने की ननतियां पहनें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- कुल पुरोहित को भोजन करवाकर आशीर्वाद लेवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

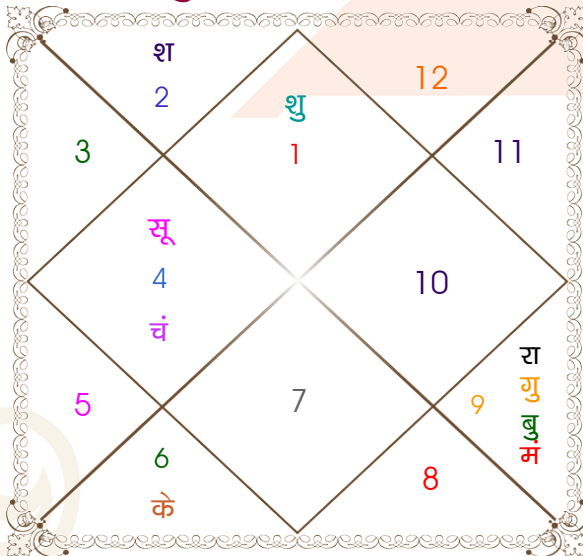
वर्तमान आयु - 19
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

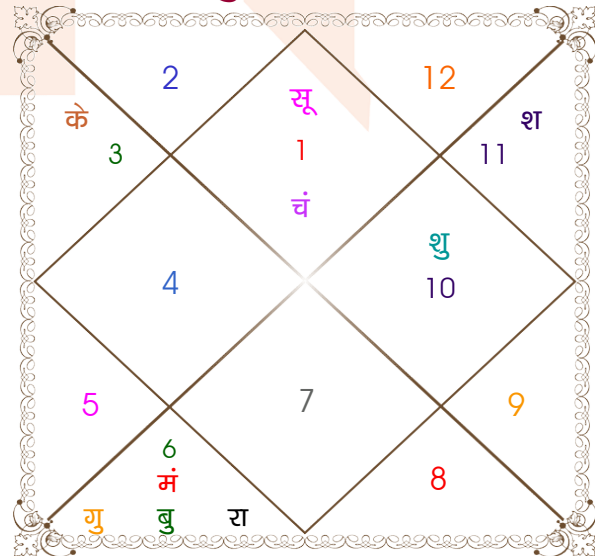
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके धन का उपयोग दूसरे लोग करेंगे मगर आप उनसे लाभ उठावेंगे। परिवार में नये कार्य शुरू हो सकते हैं जो लाभदायक रहेंगे। वस्त्रों के काम से लाभ मिलेगा, रात्रि समय किये कार्यों से अधिक लाभ मिलेगा, सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से भी लाभ मिलेगा। माता/सास से झगड़ा न करें।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोरी न करें बल्कि चोरी की सोच मन में न लायें।
2. किसी भी स्त्री से झगड़ा न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप राजसी ठाट-बाट भोगेंगे या समय सूखपूर्वक गुजरेगा, समुद्री सफर या समुद्र से संबंधित कामों से लाभ होगा। कार्य करने से पहले किसी व्यक्ति की सलाह लेकर कार्य शुरू करना शुभ रहेगा। कोई अमानत आपके पास रख कर जाएगा वह उसे वापिस लेने नहीं आयेगा या अचानक धन-लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से इस वर्ष पिता से झगड़ा या पिता से दूरी होगी, भाई और भाई की पत्नी से आपके सम्बन्ध अच्छे नहीं रहेंगे तो आपकी हानि होगी। धर्म के खिलाफ आपके दिमाग में एक जुनून रहेगा या नास्तिकवाद की वकालत भी करेंगे। आप के छोटे लोगों से सम्बन्ध रहेंगे मगर उनसे लाभ मिलेगा।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. भाई की पत्नी की सेवा करें।
2. लाल रंग का रुमाल पास रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता से दूरी या पिता की चिंता रहेगी, पिता का धन नाश हो सकता है। आपको जुबान से सम्बन्धित बीमारी हो ऐसी आशंका है। गृहस्थ और संतान के सम्बन्ध में कुछ खराबियां भी हो सकती हैं। हर काम में कदम-कदम पर आपको विचार करके चलना चाहिये। यात्रा से हानि का भय है, सतर्क रहें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गऊ घ्रास दें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नास्तिक प्रवृत्ति बन सकती है जो आपके लिए शुभ नहीं है। बुजुर्गों से विरोध या झगड़ा आपको नहीं करना चाहिए। परिवार में किसी को दिल से संबंधित बीमारी हो सकती है। सोना बिक जाये या गिरवी पड़े या गुम हो जाए ऐसी संभावना है। किसी को दिया हुआ वायदा आप पूरा नहीं करेंगे तो हानि होगी।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गंगा स्नान करें 9 बार (दो महीने लगातार या महीने में एक बार या 9 दिन लगातार)
2. वचन और धर्म की पालना करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, सुंदर बनना, संवराना आपकी आदत बन जायेगी, आशिकाना मिजाज भी हो सकता है। अपनी आयु के लोगों में आप प्रधान बन सकते हैं। धार्मिक होते हुए भी आप में इश्क की हवस रहेगी। उत्तम भवन व वाहन का सुख प्राप्त हो सकता है। लोगों से मार्ग दर्शन लेंगे।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन खराब न करें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. धर्म-कर्म में रुचि रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर को कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रूकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रुचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आंशका है। चमड़ी, पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- गंगा स्नान करें या किसी भी स्थान की तीर्थ यात्रा करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।